If you still want any further information, you can contact the hon. Chairman. Now, please sit down. ...(*Interruptions*)... Mr. Dilip Kumar Tirkey. ...(*Interruptions*)... All of you, please sit down. ...(*Interruptions*)... You have given a notice. You are right. There is no problem. ...(*Interruptions*)... No, please. ...(*Interruptions*)... Shri Dilip Kumar Tirkey.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Technical defects during trials for Rio Olympics causing loss to Odisha athletes

श्री दिलीप कुमार तिर्की (ओडिशा): उपसभापति महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में Sunday को athletes के olympic qualifying event में जैसी लापरवाही देखने को मिली है, वह बेहद दुखदायी है। इस event में ओडिशा के दो athletes, अमिय कुमार मल्लिक और श्रावणी नंदा ने भाग लिया था। 100 मीटर men's में olympic qualifying timing 10.16 सेकंड है, जबकि उसने 10.09 सेकंड में इसे complete किया है और women's में olympic qualifying timing 11.32 सेकंड है, जबकि श्रावणी नंदा ने 11.23 सेकंड में इसे complete किया है। महोदय, दुख की बात यह है कि power failure के कारण उनका record manually दर्ज किया गया, जबकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ electronic record को मान्यता दी जाती है। इसलिए नेशनल रिकॉर्ड बनाने के बावजूद इन athletes की सारी मेहनत पर पानी फिर गया। सबसे हैरत की बात तो यह है कि स्टेडियम में power back-up की सुविधा होने के बावजूद उसका इस्तेमाल नहीं किया गया। अब आगे इस event में इन athletes को मौका मिलेगा या नहीं, यह भी sure नहीं है। मौका मिलने के बाद भी यह गांरटी नहीं है कि ये athletes हमेशा best performance करेंगे। एक athlete की performance बहुत सी बातों, जैसे health, weather, इत्यादि पर निर्भर करती है। इसलिए यह जो lapse हुआ है, यह एक अपराध है। हर athlete का एक सपना होता है कि वह देश को ओलंपिक में represent करे। कितने अफसोस की बात है कि ये दो athletes qualify करने के बाद भी ओलंपिक के लिए qualify नहीं कर सके। इसमें उनकी क्या गलती है? इससे पता चलता है कि हम खेलों को लेकर कितने गम्भीर हैं। महोदय, यह घटना न सिर्फ उन खिलाड़ियों का, बल्कि पूरे खेल जगत का मनोबल तोड़ने वाली और इताशा पैदा करने वाली है। मैं संसद के माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि इस मामले में जांच कराई जाए, इस चूक की जवाबदेही तय की जाए और दोषियों पर कार्यवाही की जाए, ताकि आगे ऐसी घटना न हो। थैंक यू सर।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI A. U. SINGH DEO (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RANVIJAY SINGH JUDEV (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

KUMARI SELJA (Haryana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI HUSAIN DALWAI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BHUPINDER SINGH (Odisha): Sir, the whole House associates itself with this.

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

मीर मोहम्मद फ़ैयाज (जम्मू और कश्मीर): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

†**جناب میر محمد فیّاض (جموں و کشمیر) :** اپ سبھا پتی جی، میں خود کو اس سے سمبدّھ کرتا ہوں۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. Now, Shri K. C. Tyagi.

Teaching *Shaheed* Bhagat Singh as terrorist in curriculum of Delhi University

श्री के. सी. त्यागी (बिहार): उपसभापति जी, मैं राष्ट्रीय महत्व के एक प्रश्न की तरफ आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं पिछले तीन दिन से शहीदे आज़म भगत सिंह का परिवार दिल्ली में घर-घर जाकर भगत सिंह को 'आतंकवादी' न कहा जाए, ऐसा कह रहा है। जैसा कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित "भारत का स्वतंत्रता संघर्ष" नामक पुस्तक में उल्लेख है और गृह मंत्रालय की सूची से भी अभी तक भगत सिंह को 'आतंकवादी' के रूप में ही लिखा जाता है, पढ़ा जाता है और इसमें उसका उल्लेख है। ...(**व्यवधान**)... इस पुस्तक की दस लाख से ज्यादा प्रतियां बिक चुकी हैं। उपसभापति जी, पिछले साल सांसदों के एक प्रतिनिधि मंडल में मुझे लाहौर जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। लाहौर के शदमन चौक पर भगत सिंह चौक बनाने को लेकर लाहौर के काफी नौजवान सक्रिय हैं, जबकि हमारे देश में यह स्थिति बनी हुई है कि भगत सिंह और चंद्रशेखर आज़ाद आतंकवादी गतिविधियों में संलग्न थे। इसी के साथ-साथ बंगाल के जो मेरे इधर के और उधर के साथी बैठे हैं, वे भी

† Transliteration in Urdu script.